

सौरभ सनी (१६५)

वाह वाह सुन्दर छबि कैसी बनी है
गोदि युगल साईं प्रेम धनी है॥

नेह निकुंज के साईं निवासी प्रेम कनोड़े युगल छबि राशी
महिमा अपार शेष शारदा भनी है॥

फूलन महल में राजत रसीले अरसि परसि प्रेम रंग रंगीले
मृदु मुस्कान सुख सौरभ सनी है॥

रसिक श्रोमणि प्रेम कल्लोली सुधा सरस जांकी तोतरी
बोली

जोड़ी अलबेली साईं प्राण जीवनी है॥

यह शुभ घड़ी साकेत से आई सुर नर मुनि जै जै
धुनि लाई

भई सुगंधि मय आज अविनी है॥

चिर चिर जीवो साईं मैया बृज निवासी दासनि सुख दैया
देव दुर्लभ पाई रसकी मणी है॥